

प्रेषक,

एन०एस०नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: ०८ अगस्त, 2011

विषय:- जनपद उत्तरकाशी में आडिटोरियम के निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-806/स०नि०उ०/दो-३(नि०)/2010-11 दिनांक 04 जुलाई, 2011 एवं शासनादेश संख्या-116/VI-1/2008-2(1)2007 दिनांक 24 मार्च, 2008 तथा शासनादेश-संख्या-106/VI-2/2011-2(8)2009 दिनांक 14 मार्च, 2011 के संदर्भ मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद उत्तरकाशी में आडिटोरियम के निर्माण हेतु संस्तुत धनराशि ₹199.36 लाख मात्र के सापेक्ष अवशेष बची धनराशि ₹134.36 लाख के सापेक्ष तृतीय किस्त के रूप में वित्तीय वर्ष 2011-12 में ₹50.00 लाख (₹ पचास लाख) मात्र की धनराशि निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 में विहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। कार्य के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-571/XXVII (1)/2010 दि०-१९-१०-२०१० के विहित शर्तों के अनुसार अगले चरण के लिए शीघ्रता से समयबद्धता के आधार पर कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

.....(2)

4— कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो०नि० वि० द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

5— मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या—2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.5.-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाय।

6— कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

7— कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। तथा विलम्ब के कारण आगणन किसी भी दशा में पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा।

8— आडिटोरियम के रख—रखाव हेतु पद का सृजन नहीं किया जायेगा तथा उक्त की व्यवस्था भी जिलाधिकारी द्वारा कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

9— उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या—11 के लेखाशीर्षक—4202—शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय—04—कला और संस्कृति—800—अन्य व्यय 03—सांस्कृतिक परिषद/कला केन्द्र/विद्यालय/आडिटोरियम आदि का निर्माण—00—24—वृहद निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

मवदीय,

(एन०एस०नेगी)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 692/VI-2/2011-2(8)/2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० संस्कृति मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, उत्तरकाशी
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग—3, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।